Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to develop, conserve and beautify ancient caves situated in North Mumbai Parliamentary Constituency, Maharashtra- Laid - Laid

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): हमारे देश में ऐसी बहुत ही अति प्राचीन धार्मिक गुफाएं हैं, जिन्हें विकसित, संरक्षित और सौन्दर्यकृत किए जाने की आवश्यकता है । इस संबंध में, मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र नॉर्थ मुंबई के उप-नगर बोरीवली , दहीसर में स्थित मंडपेश्वर गुफाओं की ओर आकर्षित करना चाहूंगा, जो भगवान शिव को समर्पित 8 वीं शताब्दी का रॉक-कट मंदिर है । मंडपेश्वर नाम संस्कृत शब्द ''मंडप पे ईश्वर ''से लिया गया है, जिसका अर्थ "भगवान के चित्रों के हॉल " अर्थात भगवान शिव से है ।

मैं सरकार को यह भी अवगत कराना चाहूंगा कि मुंबई में चार रॉक-कट मंदिर हैं - एलिफंटा गुफाएं, जोगेश्वरी गुफाएं, महाकाली गुफाएं, मंडपेश्वर गुफाएं । इन सभी चार गुफाओं में एक ही प्रकार की मूर्तियां हैं । युग पुरुष श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्रित्व काल में तत्कालीन संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री अनंत कुमार जी का वर्ष 2000 में मंडपेश्वर गुफाओं में आगमन हुआ था और उन्होंने इन गुफाओं की महत्ता को देखते हुए इनको विकसित एवं संरक्षित किए जाने का आश्ववासन दिया था तथा इस दिशा में सकारात्मक कार्यवाही भी हुई, लेकिन बाद में कोई विशेष प्रगति नहीं हो सकी ।

आज स्थिति यह है कि महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर ही मंडपेश्वर गुफाओं में वर्ष में केवल एक बार ही श्रद्धालु एक बड़ी संख्या में पूजा-अर्चना हेतु आते हैं । इसका एक प्रमुख कारण इन गुफाओं का विकसित, संरक्षित और सौन्दयकृत न होना है ।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि देश की अति प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक गुफाओं विषेशतः नॉर्थ मुंबई संसदीय क्षेत्र के बोरीवली, दहीसर में स्थित मंडपेश्वर गुफाओं को केन्द्रीय स्तर पर विकसित, संरक्षित और सौन्दर्यकृत किए जाने हेतु सकारात्मक कदम उठाए ।